पुस्तकालय

2337
3-8-02

असंशोधित

बिहार विधान-सभा वादवृत्त

सरकारी प्रतिवेदन

19 JULY

(भाग 1—कार्यवाही—प्रश्नोत्तर)

वि० स० मु० (एल० ए०) 85—मोनो—500—13-3-2002—,

॥ व्यवधान॥

तारांकित प्रश्न संख्या-ख 1077

श्री शकील अहमद खान॥मंत्री॥: यह कोई तरीका नहीं है । यह कोई तरीका है बात करने का ?

॥ व्यवधान॥

॥ इस अवसर पर विपक्षी दल के सभी माननीय सदस्य अपने-अपने स्थान पर खड़े हो गये और बोलने लगे ।॥

॥ व्यवधान॥

अध्यक्ष: आरोप का कोई प्रासीडिंग नहीं बनेगा । जितनी बातें कहीं गयी है, वह प्रोसीडिंग का हिस्सा नहीं बनेगा । सारी बातें प्रोसीडिंग से निकलवा दिया है । आप बैठिये । नवीन जी आप बैठ जाइये ।

॥ व्यवधान॥

अध्यक्ष: आपलोग बैठिये । जब स्पीकर ने कह दिया तो कहीं कोई बात नहीं आयेगी । मैं कहता हूँ कि स्पीकर ने कह दिया । बैठिये । मैंने खुद माननीय मंत्री जी को कहा कि आपको इस तरह नहीं बोलना चाहिए । आप बैठ जाइये । प्रोसीडिंग का पार्ट नहीं बनेगा । सब बात खत्म हो गयी ।

तारांकित प्रश्न संख्या-ख 1077

श्री शकील अहमद खान॥मंत्री॥: ॥1॥ अस्वीकारात्मक है । टिकारी, कोच और गुरारू में विद्युत की आपूर्ति दो वर्षों से पूर्ण रूप से बंद नहीं है, आंशिक रूप से बंद हो हो जाती है, क्योंकि पावर सब-स्टेशन में बिजली रफीगंज-गोह 33 हजार लाईन के माध्यम से दी जाती है । इस लाईन का तार चोरों द्वारा काट लिए जाने के कारण लोहा तार पर अभी यह लाईन चालू है ।

॥2॥ समस्या के समाधान के लिए रफीगंज से सीधे गुरारू पावर सब-स्टेशन में नया 33 हजार लाईन का कार्य प्रगति पर है, इस कार्य के पूरा हो जाने पर टिकारी, कोच और गुरारू में विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित हो जायेगी ।

अध्यक्ष: माननीय राज्य मंत्री सुरेन्द्र बाबू, आप शांत रहें ।

श्री शिवबचन यादव: जिस ग्रीड से लाईन दी जाती है, वहां तीन फेज लाईन है, टेकारी, कोच और गुरारू ।

अध्यक्ष: आपकी बात हम नहीं समझ पाये लेकिन मंत्री जी समझ गये हों ।

श्री शकील अहमद खान॥मंत्री॥: मैंने कहा कि लोहा तार पर लाईन चालू है क्योंकि तार काट लिये जाते हैं और लाईन 40-45 कि0 मी0 सुदूर इलाके में जाती है

टर्न-10:19.7.02:

सच्चिदा !

जिसके कारण जो तार कट गया है, वहां लोहा तार पर सप्लाई किया गया है, कनस्टीस्टेंट तार नहीं है 33 हजार का । काम चल रहा है । रफीगंज से गुरारू, टेकारी और कोच तीनों जगह की लाईन की स्थिति ठीक हो जायेगी ।

श्री डी0 के0 शर्मा: महोदय, रफीगंज से गुरारू में बिजली जा रही थी ।

अध्यक्ष: आप बैठिये । प्रश्नकर्त्ता माननीय सदस्य खड़े हैं ।

श्री शिवबचन यादव: टेकारी, गुरारू और कोच को पहले लाईन गया से दी जाती थी । उसके बाद रफीगंज से दी जाती थी तो किस परिस्थिति में गया-रफीगंज की जा रही है ? क्या असुविधा और तकनीकी दिक्कत है ?